प्रेस नोट

सहयात्रा के अंतर्गत दीव में हुआ कल्याण दिवस कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन

भारत सरकार एव यूटी की विभिन्न योजनाओं का लाभ

1 ही दिन में लाभार्थियों को वितरित किया गया।

दीव 26 अगस्त, 2021 :- आज **सहयात्रा** के अंतर्गत दीव में कल्याण दिवस कार्यक्रम का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत दीव जिले के 07 केन्द्रों पर भारत सरकार एव यूटी की विभिन्न योजनाओं का लाभ 1 ही दिन में लाभार्थियों को वितरित किया गया।

माननीय प्रशासक प्रफुल पटेल के प्रशासक के रूप में पॉच साल पूरे होने पर प्रशासन उनके पॉच साल के कार्यकाल को **सहयात्रा** के रूप में मना रहा है। इस दौरान 24 और 25 अगस्त को क्रमश: स्वच्छता दिवस और हरित दिवस कार्यक्रम किया गया था। आज इस यात्रा के तीसरे चरण में जनता के हितार्थ **कल्याण दिवस** का आयोजन किया गया। आज इस अवसर पर लाभार्थियों को भारत सरकार एव यूटी की विभिन्न योजनाओं से 1 ही दिन में लाभान्वित किया गया। इसके अंतर्गत परिपक्व माता बाल नियोजित योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, लेबर वेलफ़ैर बोर्ड, कुपोषण नाबूदी अभियान, बच्चों को न्युट्रिशन किट, टेक होम राशन, वृद्धावस्था व विधवा पेंशन इत्यादि विभिन्न योजनाएँ शामिल थी। इस अवसर पर बच्चों को सुखड़ी और बिस्कुट, अस्पतालों में मरीजों को फल, विधवा बहनों को साड़ी आदि भी वितरित की गई।

इस जन कल्याणकारी कार्यक्रम के तहत वणांकबारा बस स्टैंड, साउदवाड़ी पंचायत, साउदवाड़ी, बुचरवाड़ा पंचायत, जोलावाड़ी पंचायत, सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दीव, घोघला झॉपा स्कूल, फुदम केन्द्रीय विद्यालय इस प्रकार 07 केन्द स्थापित किए गए थे। वणांकबारा बस स्टैंड केन्द्र पर प्रशासन के विभिन्न विभागों एवं बैंकों की तरफ से स्टॉल लगाए गए थे, जहॉ लाभार्थियों के शिकायतों का तत्काल प्रभाव से निवारण किया गया और आमजनता को भारत सरकार तथा यूटी की जन कल्याणकारी योजनाओं व स्कीमों के बारे में जानकारी दी गई साथ ही उन्हें जागरूक किया गया। इस दौरान राजस्व विभाग ने लोगों से वसीयतनामा, आय और जाति प्रमाणपत्र, जनसंपर्क कार्य, जमीन के नक्शे की नकल और जमीन के विभाजन का आवेदन स्वीकार किए। इस शिविर में 241 आवेदकों ने राजस्व विभाग की सेवायें ली। इस शिविर के माध्यम से नागरिकों को एक ही छत्त के नीचे सारे कार्य उपलब्ध कराने की कोशिश प्रशासन द्वारा की गई।

इसी प्रकार 06 केन्द्रों पर भारत सरकार व यूटी की विभिन्न जन कल्याणकारी स्कीमों के तहत लाभार्थियों को मिलनेवाले लाभ वितरित किए गए। उक्त विभागों द्वारा सरकरी स्कीमों के तहत प्रदान की जा रही लाभों को 01 ही दिन लाभार्थियों को वितरित किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री मातृ वंदना, निक्षय, मातृत्व सुरक्षा, बच्चों को शिक्षा सहायता, विवाह के लिए वित्तीय सहायता, पूर्ण रूप से विकलांग/ क्रोनिक बिमारी या सर्जरी के लिए सहायता, वृद्धावस्था तथा विधवा पेंशन आदि डीबीटी स्कीम के तहत कुल 3,706 लाभार्थियों के खाते में सीधे ही पैसे ट्रासफर किए गए। दिकरी विकास योजना, अस्पताल में रोगियों को फल देने, कुपोषण नाबूदी अभियान, निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को हाइजिन कीट आदि स्कीम के तहत 7,321 लाभार्थियों को राशन या हाइजिन कीट तथा फल और टेक होम राशन स्कीम के तहत

6,247 बच्चों को राशन प्रदान किया गया। 4,806 बच्चों को राजीगिरा के लड्डू तथा बिस्कूट वितरित किए गए। आज के इस कार्यक्रम में 509 विधवा बहनों को साड़ी, 547 गर्भवती महिलाओं को सुखड़ी, 189 वृद्ध एवं विकलांक व्यक्तियों को स्टीक प्रदान किया गया। इस प्रकार आज विभिन्न स्कीमों के तहत 23,325 लाभार्थियों को लाभ वितरित किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आज भारत सरकार तथा यूटी की डीबीटी स्कीम के तहत 3,706 लाभार्थियों कें खाते में सीधे ही पैसा ट्रांसफर किया गया। जबकि विभागों की तरफ से 7,321 लाभार्थियों को राशन एवं हाइजिनिक कीट तथा

कल्याण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का 03 स्थलों क्रमश: वणांकबारा बस स्टैंड, सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दीव एवं साउदवाड़ी पंचायत, साउदवाड़ी से जीवंत प्रसारण किया गया।

इस अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाने हेतु दीव समाहर्ता सलोनी राय ने 07 केन्दों के लिए नोडल अधिकारी की भी नियक्ति की थी जिसमें वणांकबारा बस स्टैंड की नोडल ऑफिसर के रूप में स्वयं थी जबकि सरकारी उ. मा. विद्यालय, दीव के लिए अनुज कुमार, पुलिस अधीक्षक साउदवाड़ी पंचायत के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी, वैभव रिखारी, बुचरवाड़ा पंचायत के लिए मामलतदार, सी. डी. वाजा, जोलावाड़ी पंचायत के लिए अधीक्षक, डी. बी. अहिर, घोघला झॉपा स्कूल के लिए उप समाहर्ता, हरमिंदर सिंह और केन्द्रीय विद्यालय फुदम के लिए डॉ सुल्तान कासिम को नोडल अधिकारी के रूप मे नियुक्त किया गया था।

इस अभियान का मुख्य प्रयोजन प्रशासन आपके द्वारा था अर्थात आमजनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनना, उनका तत्काल प्रभाव से निवारण करना था। इसके साथ ही लाभार्थियों को भारत सरकार और संघ प्रदेश की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं / स्कीमों के तहत मिलनेवाले लाभों को वितरित करना और सरकारी स्कीमों से लोगों को अवगत कराना रहा।